तिथि-पत्र (कैलेण्डर) २०२४

सृष्टि संवत् १,९६,०८,५३, १२४-२५ । विक्रम संवत् २०८०-८१ । दयानन्दाब्द १९९-२००

महर्षि दयानन्द की २००वीं जन्म-जयन्ती पर
धर्मवीर संस्थान की विशेष प्रस्तुति

दयानन्द चित्र-कथा

धर्मवीर संस्थान

८९६ प्रगति नगर, कोटड़ा, अजमेर ३०५००४ (राजस्थान)

dharmaveersansthan@gmail.com, चलभाष ८८२४१४७०७४ / ७२४०५८४४३४

नये भारत का उदय

फाल्गुन कृष्ण दशमी संवत् १८८१ वि./ १२ फरवरी १८२४ ई.

शिशिर ऋतु

जनवरी २०२४ — पौष-माघ २०८० वि.

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	१	२	३	४	५	६
७	८	९	१०	११ अमावस्या	१२	१३
१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
२१	२२	२३	२४	२५ पूर्णिमा	२६	२७
२८	२९	३०	३१			

१४-लोहड़ी १५-मकर संक्रान्ति/पोंगल/उत्तरायण २६-गणतन्त्र दिवस

२०० वर्ष पहले, पाखण्ड और अन्धविश्वासों से सराबोर गुलाम भारत के गुजरात प्रान्त, मोरवी जिले के टंकारा गाँव में एक दिव्य आत्मा का जन्म हुआ। पिता कर्शन जी त्रिवाड़ी और माता अमृता बाई (अम्बा बाई)। बालक का नाम रखा गया 'मूलशंकर'।

शिवरात्रि / बोधरात्रि

१८३८ ई.

वसन्त ऋतु

फरवरी २०२४ माघ-फाल्गुन २०८० वि.

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
				१	२	३
४	५	६	७	८	९ अमावस्या	१०
११	१२	१३	१४	१५	१६	१७
१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४ पूर्णिमा
२५	२६	२७	२८	२९		

बालक मूलशंकर ने १३ वर्ष की आयु में पिता के कहने पर शिवरात्रि का व्रत रखा और रात को मन्दिर में भूखे शिव के प्रकट होने की प्रतीक्षा करता रहा। शिव तो प्रकट नहीं हुए, परन्तु शिवलिंग पर चूहे आकर भोग खाने लगे। यह देखकर मूलशंकर का मूर्तिपूजा से विश्वास उठ गया और वह सच्चे शिव की खोज में घर से निकल पड़ा।

१४-वसन्त पंचमी

धर्मवीर संस्थान

तन्त्र ग्रन्थों की परीक्षा

गंगा के किनारे

वसन्त ऋतु

मार्च २०२४   **फाल्गुन-चैत्र २०८० वि.**

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
३१					१	२
३	४	५	६	७	८	९
१० अमावस्या	११	१२	१३	१४	१५	१६
१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३
२४	२५ पूर्णिमा	२६	२७	२८	२९	३०

५-महर्षि दयानन्द जयन्ती   ८-महाशिवरात्रि/महर्षि दयानन्द बोध दिवस
२५-होली/वासन्तीय नवसस्येष्टि

घर से निकलकर गुरुओं की खोज में भटकते हुए पहले ब्रह्मचर्य दीक्षा लेकर शुद्ध चैतन्य बने और फिर स्वामी पूर्णानन्द से संन्यास लेकर दयानन्द सरस्वती कहलाये। कुछ तन्त्र ग्रन्थों में चक्रों के बारे में पढ़ा। एक दिन गंगा में शव बहता देखकर उसकी परीक्षा की, परन्तु जब उन्हें कोई चक्र नहीं मिला तो सारे तन्त्र ग्रन्थों को गंगा में बहा दिया।

गुरु की पाठशाला में

मथुरा/ १८६० ई. से १८६३ ई.

ग्रीष्म ऋतु

अप्रैल २०२४ **चैत्र-वैशाख २०८१ वि.**

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	१	२	३	४	५	६
७	८ अमावस्या	९	१०	११	१२	१३
१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
२१	२२	२३ पूर्णिमा	२४	२५	२६	२७
२८	२९	३०				

सच्चे गुरु को खोजते हुए दयानन्द मथुरा में प्रज्ञाचक्षु दण्डी विरजानन्द की कुटिया पर पहुँचे। वहाँ ३ वर्ष तक कठोर तपस्या से अध्ययन करके सत्य - असत्य का ज्ञान प्राप्त किया। शिक्षा पूरी होने पर गुरु दक्षिणा के रूप में गुरु को अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

९-नवसंवत्सर १३-आर्यसमाज स्थापना दिवस १४-वैशाखी
१७-रामनवमी २१-महावीर जयन्ती

धर्मवीर संस्थान

पाखण्ड खण्डनी पताका

हरिद्वार / १२ मार्च १८६७ ई.

मई २०२४ वैशाख-ज्येष्ठ (ग्रीष्म ऋतु) २०८१ वि.

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
			१	२	३	४
५	६	७	८ अमावस्या	९	१०	११
१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८
१९	२०	२१	२२	२३ पूर्णिमा	२४	२५
२६	२७	२८	२९	३०	३१	

जब स्वामी दयानन्द सरस्वती ने समाज में फैले अन्धविश्वास को देखा तो हरिद्वार में कुम्भ के अवसर पर 'पाखण्ड खण्डिनी' पताका (झण्डा) लगाकर पाखण्डों का खण्डन किया और सत्य मार्ग का उपदेश किया।

२३-बुद्ध पूर्णिमा

धर्मवीर संस्थान

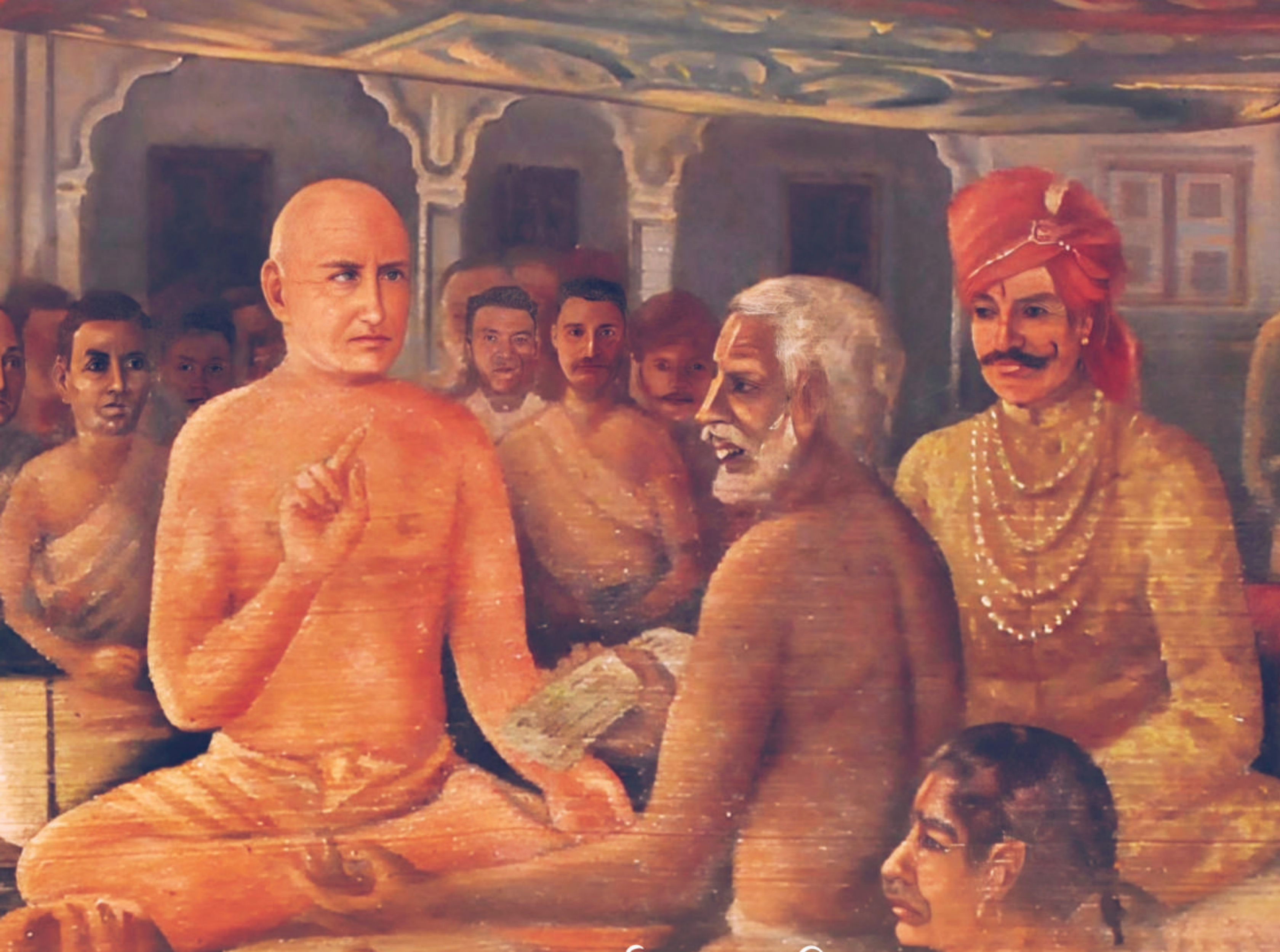

शास्त्रार्थ - काशी

कार्तिक शुक्ल १२ संवत् १९२६ वि. / १६ नवम्बर १८६९ ई.

ग्रीष्म / वर्षा ऋतु

जून २०२४ ज्येष्ठ-आषाढ़ २०८१ वि.

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
३०						१
२	३	४	५	६ अमावस्या	७	८
९	१०	११	१२	१३	१४	१५
१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२ पूर्णिमा
२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९

स्वामी जी ने कर्मकाण्ड की नगरी काशी को ललकारा और २७ पाण्डितों की टोली के सामने अकेले दयानन्द सरस्वती ने पूछा कि वेदों में मूर्तिपूजा का विधान कहाँ पर है? परन्तु कोई भी उत्तर नहीं दे पाया।

९-महाराणा प्रताप जयन्ती २१-दक्षिणायन

धर्मवीर संस्थान

दयानन्द का ब्रह्मचर्य

कासगंज एटा / सं. १९२७ वि. / १८७० ई.

वर्षा ऋतु

जुलाई २०२४ आषाढ़-श्रावण २०८१ वि.

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	१	२	३	४	५ अमावस्या	६
७	८	९	१०	११	१२	१३
१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
२१ पूर्णिमा	२२	२३	२४	२५	२६	२७
२८	२९	३०	३१			

२१ -गुरु पूर्णिमा

स्वामी जी सायंकाल जंगल की ओर जा रहे थे। उन्होंने देखा कि मार्ग रुका हुआ है। दो साँड आपस में लड़ रहे थे। सब लोग डर रहे थे। स्वामी जी ने आगे बढ़कर दोनों के सींग पकड़कर जोर से धक्का दिया और दोनों साँड डरकर भाग गए।

धर्मवीर संस्थान

सर्वधर्म सम्मेलन

चाँदापुर / १९ मार्च १८७७ ई. / चैत्र शुक्ल चतुर्थी सं. १९३४ वि.

अगस्त २०२४ श्रावण-भाद्रपद २०८१ वि.

वर्षा ऋतु

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
				१	२	३
४ अमावस्या	५	६	७	८	९	१०
११	१२	१३	१४	१५	१६	१७
१८	१९ पूर्णिमा	२०	२१	२२	२३	२४
२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१

७-हरियाली तीज १५-स्वतन्त्रता दिवस १९-श्रावणी/रक्षा बन्धन/संस्कृत दिवस
२६-श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

शाहजहाँपुर के चाँदापुर में सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें पाँच लोग ईसाइयों की ओर से, पाँच मुस्लिमों की ओर से, सनातन धर्म की ओर से स्वामी दयानन्द सरस्वती और मुंशी इन्द्रमणि। चर्चा का विषय था - ईश्वर कैसा है?

धर्मवीर संस्थान

अछूतों का सम्मान

रुड़की / अगस्त १८७८ ई. / श्रावण संवत् १९३५ वि.

सितम्बर २०२४ भाद्र.-आश्विन २०८१ वि.

शरद् ऋतु

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
१	२ अमावस्या	३	४	५	६	७
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१५	१६	१७	१८ पूर्णिमा	१९	२०	२१
२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८
२९	३०					

एक सिख स्वामी जी का प्रवचन सुन रहा था, किसी मुस्लिम डाकिये ने अछूत कहकर उसे वहाँ से उठा दिया। स्वामी जी ने मुस्लिम डाकिये को बुलाया और कहा कि परमेश्वर की सृष्टि में सब समान हैं। फिर सिख सज्जन से कहा कि तुम प्रतिदिन उपदेश सुनने आया करो।

७-गणेश चतुर्थी/आचार्य धर्मवीर जयन्ती १४-दण्डी विरजानन्द बलिदान दिवस

धर्मवीर संस्थान

यज्ञोपवीत दीक्षा

मसूदा / जुलाई १८८१ ई.

शरद् ऋतु

अक्टूबर २०२४ आश्विन-कार्तिक २०८१ वि.

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
		१	२ अमावस्या	३	४	५
६	७	८	९	१०	११	१२
१३	१४	१५	१६	१७ पूर्णिमा	१८	१९
२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६
२७	२८	२९	३०	३१		

अजमेर जिले के मसूदा में स्वामी जी ने एक बड़े यज्ञ का आयोजन किया, जिसमें ४८ लोगों का यज्ञोपवीत संस्कार करवाकर उन्हें वैदिक धर्म में दीक्षित किया, जिनमें अधिकतर जैन समाज से थे।

६-आचार्य धर्मवीर स्मृति दिवस १२-दशहरा/विजया दशमी १६-शरद् पूर्णिमा

धर्मवीर संस्थान

आर्य राष्ट्र की योजना

उदयपुर / फरवरी १८८२ ई. / श्रावण सं. १९३९ वि.

हेमन्त ऋतु

नवम्बर २०२४ कार्तिक-मार्गशीर्ष २०८१ वि.

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
					१ अमावस्या	२
३	४	५	६	७	८	९
१०	११	१२	१३	१४	१५ पूर्णिमा	१६
१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३
२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०

१-दीपावली/शारदीय नवसस्येष्टि/महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस
२-गोवर्धन पर्व ३-भाई दूज १५-गुरु नानक जयन्ती

महर्षि दयानन्द सरस्वती भारत के राजाओं को वैदिक सनातन धर्म की शिक्षा देकर एक आदर्श राष्ट्र का निर्माण करना चाहते थे। उन्होंने उदयपुर के महाराणा सज्जनसिंह को दर्शनशास्त्र, मनुस्मृति, संस्कृत व्याकरण, महाभारत और विदुर नीति का अध्ययन करवाया। महर्षि जी ने जब अपनी उत्तराधिकारिणी परोपकारिणी सभा की स्थापना की तो उसका प्रथम अध्यक्ष भी महाराणा सज्जनसिंह को ही बनाया।

धर्मवीर संस्थान

विषपान

जोधपुर / १८८३ ई. / संवत् १९४० वि.

हेमन्त ऋतु

दिसम्बर २०२४ मार्गशीर्ष-पौष २०८१ वि.

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
१ अमावस्या	२	३	४	५	६	७
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१५ पूर्णिमा	१६	१७	१८	१९	२०	२१
२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८
२९	३० अमावस्या	३१				

२३-स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस

जोधपुर के राणा जसवन्त सिंह नन्हीं भगतन नाम की वेश्या के पास जाया करते थे, स्वामी जी ने अपने एक उपदेश में इस बात का कठोरता से विरोध भी किया। नन्हीं भगतन ने रसोइये जगन्नाथ के द्वारा स्वामी जी को ऐसा विष दिलवाया, जिसके कारण उन्हें २७ सितम्बर १८८३ ई. को असह्य कष्ट हुआ और फिर वे स्वस्थ नहीं हो पाये।

धर्मवीर संस्थान

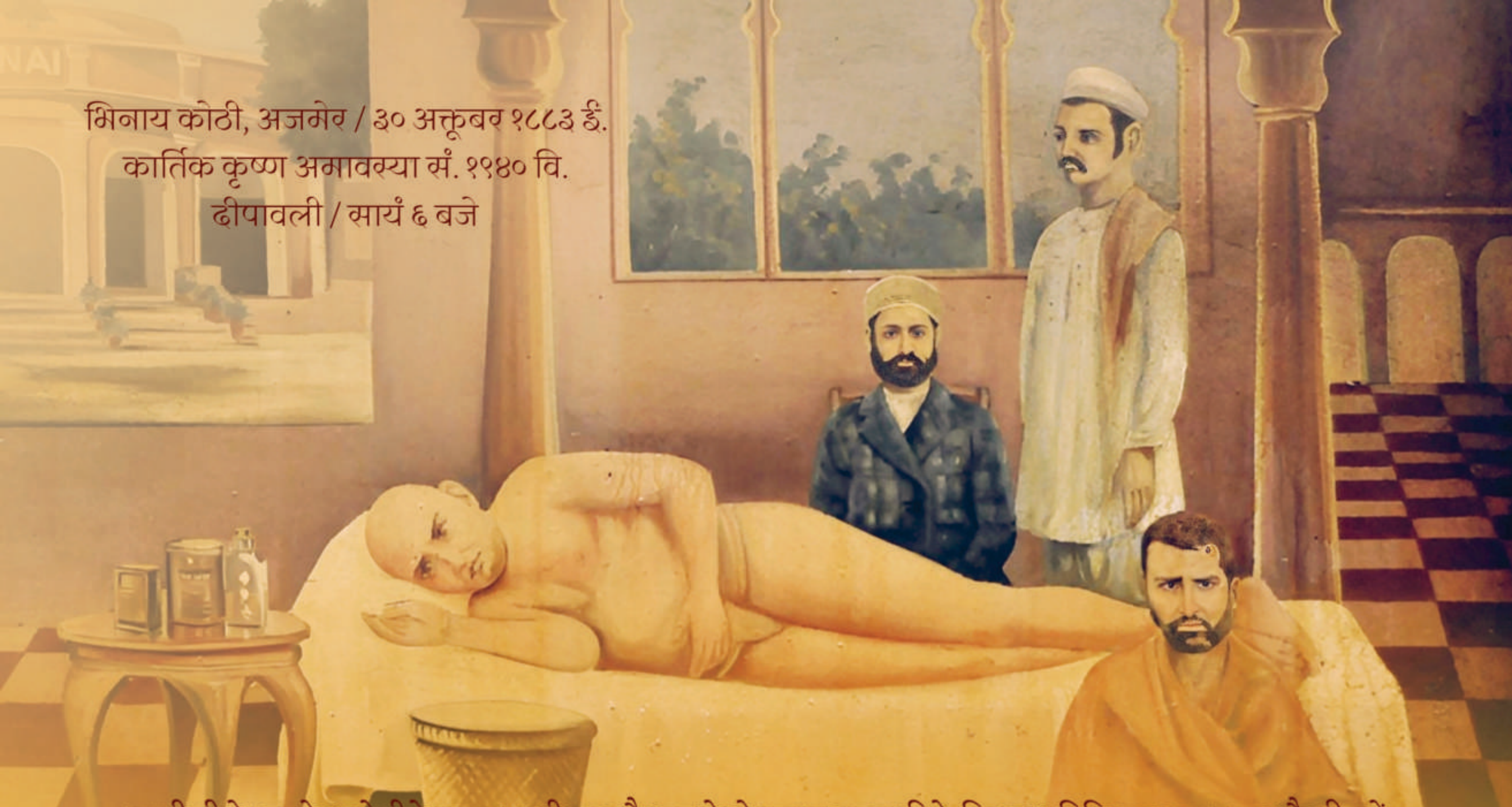

स्वामी जी ने सबको अपने पीछे बुलाया, सभी द्वार और छत के रोशनदान खुलवा दिये, फिर पक्ष, तिथि, वार पूछा। छत और दीवारों को देखकर वेदमन्त्र पढ़े, संस्कृत में ईश्वरोपासना की, गायत्री मन्त्र बोला, कुछ देर तक समाधि में रहकर आँख खोलीं और कहा-

“ हे दयामय ! हे सर्वशक्तिमन् ईश्वर ! तेरी यही इच्छा है, तेरी यही इच्छा है, तेरी इच्छा पूर्ण हो, आहा!!! तैंने अच्छी लीला की। ”

ये शब्द कहकर उन्होंने स्वयं करवट ली और श्वास को रोककर एकदम बाहर निकाल दिया। वह दीपावली का दिन था, और शाम के ६ बजे थे।

पर्व एवं तिथियाँ

जनवरी
६ जनवरी- आचार्य उदयवीर शास्त्री जयन्ती
११ जनवरी- स्वामी स्वतन्त्रानन्द जयन्ती
१४ जनवरी- लोहड़ी
१५ जनवरी- मकर संक्रांति / पोंगल / उत्तरायण
२३ जनवरी- नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती
२६ जनवरी- गणतन्त्र दिवस
२८ जनवरी- लाला लाजपत राय जयन्ती

फरवरी
५ फरवरी- स्वामी दर्शनानन्द जयन्ती (माघ कृष्ण दशमी)
१२ फरवरी- पं. धर्मदेव विद्यामार्तण्ड जयन्ती
१४ फरवरी- वसन्त पञ्चमी / महात्मा नारायण स्वामी जयन्ती / बाल हकीकत राय बलिदान दिवस
१५ जनवरी- पं. चमूपति जयन्ती
१९ फरवरी- छत्रपति शिवाजी जयन्ती
२२ फरवरी- स्वामी श्रद्धानन्द जयन्ती
२६ फरवरी- वीर सावरकर बलिदान दिवस

मार्च
५ मार्च- महर्षि दयानन्द सरस्वती २००वीं जयन्ती (फाल्गुन कृष्ण दशमी)
६ मार्च- पं. लेखराम बलिदान दिवस
८ मार्च- महाशिवरात्रि/ महर्षि दयानन्द बोध-दिवस (फाल्गुन कृष्ण त्रयोदशी)
१४ मार्च- महात्मा वेदभिक्षु जयन्ती
२२ मार्च- स्वामी ओमानन्द जयन्ती
२३ मार्च- शहीद दिवस (भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव)
२५ मार्च- होली (वासन्तीय नवसस्येष्टि)
२५ मार्च- पं. रामचन्द्र देहलवी जयन्ती

अप्रैल
९ अप्रैल- नव संवत्सर / चेटीचण्ड
१३ अप्रैल- आर्यसमाज स्थापना दिवस (चैत्र शुक्ल पंचमी)
१४ अप्रैल- बैसाखी
१७ अप्रैल- रामनवमी (चैत्र शुक्ल नवमी)
१९ अप्रैल- महात्मा हंसराज जयन्ती
२१ अप्रैल- महावीर जयन्ती (चैत्र शुक्ल त्रयोदशी)
२३ अप्रैल- हनुमान जयन्ती (चैत्र शुक्ल पूर्णिमा)
२६ अप्रैल- पं. गुरुदत्त विद्यार्थी जयन्ती

मई
१ मई- डॉ. भवानी लाल भारतीय जयन्ती
३ मई- पं. लेखराम जयन्ती
२३ मई- बुद्ध पूर्णिमा (वैशाख पूर्णिमा)
३१ मई- पं. तुलसीराम स्वामी जयन्ती

जून
८ जून- पण्डिता राकेशरानी जयन्ती
९ जून- पं. रामप्रसाद बिस्मिल जयन्ती / महाराणा प्रताप जयन्ती
१८ जून- पं. आत्माराम अमृतसरी जयन्ती
२१ जून- दक्षिणायन

जुलाई
७ जुलाई- पं. रामनाथ वेदालंकार जयन्ती
२१ जुलाई- गुरु पूर्णिमा (आषाढ़ पूर्णिमा)

अगस्त
१ अगस्त- पं. बुद्धदेव विद्यालंकार (स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती) जयन्ती
७ अगस्त- हरियाली तीज (श्रावण शुक्ल तृतीया)
१५ अगस्त- स्वतन्त्रता दिवस
१९ अगस्त- श्रावणी उपाकर्म / रक्षाबन्धन / संस्कृत दिवस
२४ अगस्त- स्वामी डॉ. सत्यप्रकाश जयन्ती
२६ अगस्त- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (भाद्रपद कृष्ण अष्टमी)

सितम्बर
६ सितम्बर- पं. गंगाप्रसाद उपाध्याय जयन्ती
७ सितम्बर- गणेश चतुर्थी / आचार्य डॉ. धर्मवीर जयन्ती (भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी)
१४ सितम्बर- दण्डी गुरु विरजानन्द पुण्यतिथि
१६ सितम्बर- पं. क्षितीश वेदालंकार जयन्ती
२२ सितम्बर- पं. युधिष्ठिर मीमांसक जयन्ती

अक्टूबर
२ अक्टूबर- लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती एवं गाँधी जयन्ती
३ अक्टूबर- पं. जगदेव सिंह सिद्धान्ती जयन्ती
४ अक्टूबर- पं. श्यामजी कृष्ण वर्मा जयन्ती
६ अक्टूबर- आचार्य डॉ. धर्मवीर स्मृति दिवस
१२ अक्टूबर- दशहरा विजयादशमी (आश्विन शुक्ल दशमी)
१२ अक्तूबर- बुद्ध जयन्ती (आश्विन शुक्ल दशमी)
१४ अक्टूबर- पं. ब्रह्मदत्त जिज्ञासु जयन्ती
१६ अक्तूबर- शरद् पूर्णिमा (आश्विन शुक्ल पूर्णिमा)
३१ अक्टूबर- सरदार वल्लभभाई पटेल जयन्ती

नवम्बर
१ नवम्बर- दीपावली (शारदीय नवसस्येष्टि)/ महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस (कार्तिक कृष्ण अमावस्या)
३ नवम्बर- भाई दूज (कार्तिक शुक्ल द्वितीया)
४ नवम्बर- भाई परमानन्द जयन्ती
७ नवम्बर- पं. इन्द्र विद्यावाचस्पति जयन्ती
१५ नवम्बर- गुरु नानक जयन्ती (कार्तिक पूर्णिमा)
१७ नवम्बर- लाला लाजपतराय बलिदान दिवस

दिसम्बर
१६ दिसम्बर- भाई श्यामलाल बलिदान दिवस
१९ दिसम्बर- पं. रामप्रसाद बिस्मिल बलिदान दिवस
२१ दिसम्बर- महात्मा वेदभिक्षु पुण्यतिथि
२३ दिसम्बर- स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस

धर्मवीर संस्थान
८९६ प्रगति नगर, कोटड़ा, अजमेर ३०५००४ (राजस्थान)
dharmaveersansthan@gmail.com, चलभाष ८८२४१४७०७४ / ७२४०५८४४३४